

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 06 अक्टूबर, 2013

विषय :

वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुपूरक अनुदान द्वारा वचनबद्ध/अन्य अवचनबद्ध मदों में स्वीकृत धनराशि आवंटित किये जाने के सम्बन्ध में-आयोजनेत्तर।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं० 4272/मु०अ०वि०/वि०नि०/सी-2डी अधिष्ठान, दिनांक 01.10.2013 एवं वित्त विभाग के पत्र सं० 668/XXVII(1)/2013, दिनांक 08.10.2013 (छायाप्रति संलग्न) के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 में आयोजनेत्तर पक्ष के अधिष्ठान मद के अन्तर्गत संलग्नक-1 में अंकित विवरणानुसार कुल धनराशि ₹ 12.53 लाख (₹ बारह लाख तिरेपन हजार मात्र) की धनराशि वर्णित अनुदान/लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किशतों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि मजदूरी तथा व्यवसायिक सेवाओं के लिये भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित ईकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
- (ii) उक्त स्वीकृति के अधीन आहरण एवं व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 सुसंगत प्राविधानों, वित्तीय नियमों एवं मितव्ययता सम्बन्धी समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- (iii) स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- (iv) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रतिमाह व्यय की सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध करायी जाय।
- (v) किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5, भाग-1 (लेखानियम आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (vi) धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं मितव्ययता को ध्यान में रखकर किस्तों में किया जाय।
- (vii) वित्त विभाग के शासनादेश सं०-284/XXVII(1)/2013, दि०-30.03.2013 के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय और यथाआवश्यकता सूचनार्थ निर्धारित प्रपत्रों पर यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाय।
- (viii) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुदान संख्या-20 के लेखाशीर्षक 2700-मुख्य सिंचाई 00-आयोजनेत्तर 001-निदेशन तथा प्रशासन के अन्तर्गत संलग्नक-1 में वर्णित शीर्षकों की प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

2. उक्त स्वीकृति वित्त विभाग के शासनादेश सं०-668/XXVII(1)/2013, दिनांक 08.10.2013 में दिये गये निर्देशों के अनुसार जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव।

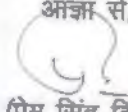
कमल / 2

संख्या 2923 (1) / 11-2013-03(07) / 2013, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. निजी सचिव, सिंचाई मंत्री जी को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाँऊ मण्डल, नैनीताल।
5. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-2), उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
8. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

आज्ञा से,

(प्रेम सिंह बिष्ट)
अनु सचिव।

